भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3163
उत्तर देने की तारीख 11 मार्च, 2026

दूरसंचार ऑपरेटरों को स्पेक्ट्रम का आवंटन

3163. श्री कालिपद सरेन खेरवालः

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत दो नीलामियों के दौरान प्रत्येक दूरसंचार ऑपरेटर को कितना स्पेक्ट्रम आवंटित किया गया है और उससे कुल कितना राजस्व प्राप्त हुआ है;

(ख) ऑपरेटरों की वित्तीय संकट के कारण कुल कितनी ग्रामीण दूरसंचार साइट बंद की गई हैं; और

(ग) क्या सरकार ने बाजार समेकन और बढ़ती दरों के उपभोक्ता वहनीयता के संबंध में पड़ने वाले प्रभाव का कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) वर्ष 2022 और 2024 में आयोजित पिछली दो नीलामियों में प्रत्येक दूरसंचार प्रचालक को आवंटित स्पेक्ट्रम की मात्रा और इन नीलामियों से प्राप्त कुल राजस्व नीचे दिया गया है:

नीलामी वर्ष	**वर्ष 2022**		**वर्ष 2024**	
बोलीदाता/प्रचालक का नाम	**आवंटित किए गए स्पेक्ट्रम की मात्रा**	**कुल राजस्व (करोड़ रू. में)**	**आवंटित किए गए स्पेक्ट्रम की मात्रा**	**कुल राजस्व (करोड़ रू. में)**
मैसर्स अदानी डेटा नेटवर्क्स लिमिटेड	400 मेगाहर्ट्ज	212	कोई भागीदारी नहीं	-

मैसर्स भारती एयरटेल लिमिटेड	19,867.8 मेगाहट्र्ज	43,084	97 मेगाहट्र्ज	6,857
मैसर्स वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	6,228.4 मेगाहट्र्ज	18,799	30 मेगाहट्र्ज	3,510
मैसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	24,740 मेगाहट्र्ज	88,078	14.40 मेगाहट्र्ज	973

(ख) प्रचालकों की वित्तीय कठिनाई के कारण कुल 874 ग्रामीण दूरसंचार साइटें बंद कर दी गई है।

(ग) भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा निर्धारित विनियामक ढांचे के अनुसार, दूरसंचार सेवाओं के लिए टैरिफ में लचीलेपन की छूट दी गई है। मौजूदा नियामक प्रावधानों का अनुपालन करते हुए, सेवा प्रदाता बाजार की स्थिति की अपनी समझ के आधार पर टैरिफ निर्धारित करने और लागू करने के लिए स्वतंत्र हैं।

यह उल्लेखनीय है कि चार दूरसंचार प्रचालकों द्वारा बाजार में प्रतिस्पर्धी प्लान लाने से बाजार में पर्याप्त प्रतिस्पर्धा मौजूद है। यह भी उल्लेखनीय है कि भारतीय दूरसंचार के टैरिफ्स विश्व में सबसे कम हैं।

*****